यह

पंच नदियों वाले पंजाब, सभ्यता के प्राचीन साक्ष्य सिन्ध, कुरुक्षेत्र के गौरव से मण्डित हरियाणा, मनभाते मालवा, बहुप्रसिद्ध ब्रज और गरबीले गरबों की धरती गुजरात के बीच का प्रदेश बसा है 'राजस्थान'। इन सब ही प्रदेशों की अनेकानेक विशेषताओं को धारण करने वाली धन्य धरा। अनेक अर्थों में यह प्रदेश सीमा को सार्थकता देता है। यहां सीमाओं की गूंज सुनाई देती है। यहां नदियों की तरह की लहरियां हैं तो मरु का माधुर्य और प्राचीनतम पर्वतमाला अरावली का वैभव बिखरा है। यह भाखरों और डूंगरों की वसुधा है। यह प्रदेश नौ ही रसों से रसमय है–

खटरस भोजन, नौरस रचणा,
ऊपरै तामुळ पाण।
थार थळी टीबां भाखरियौ
मुरधर में रयथाण॥